

नम्बर व तारीख अहकाम
जो इस हुक्म की तामील
में जारी हुए

25/11/11-अमान बूजीदेवी काम मांगीखण्ड

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही का इतिहास जज

28.3.25

पत्रवाली पेशी में ली गई। अर्थात् बूजीदेवी ने प्रार्थना पत्र अन्तर्गत 25/11/11 में पेश कर मांगित किया है कि चक 14 मम्म खाता 188/103 प.न. 14/1/286(60) कि.न. 5/4/025, 6/2/025, 15/2/025, 16/2/025, 25/2/025 प्रत्येक बीबा में 0.025 है. यानि 16± फीट चौड़ा रास्ता (पूर्व और) स्वीकृत फरमाया जावे। प्रार्थना पत्र दर्प बजिस्त किया गया। अर्थात् खं. 1 स्वयं हाजिर लक्ष्मि प्रकट की। अर्थात् खं. 2 द्वारा जरिये शपथपत्र लक्ष्मि व्यस्त की गई। उमयपक्षी की सहमति से अर्थात् खं. 1, 2 के नाम दर्प भूमि चक 14 मम्म खाता 188/103 के प.न. 14/1/286(60) कि.न. 5/4/025, 6/2/025, 15/2/025, 16/2/025, 25/2/025 प्रत्येक बीबा में पूर्व और 0.025 है. रास्ता स्वीकृत किया जाता है। तहसीलदार हनुमानगढ को वार्न अमलदयमय आदेश की प्रति भिजवाये। तहसीलदार हनुमानगढ को भेजकर लेख है कि किसी लक्ष्म न्यायालय का लगनदेश आदि जाये तो निर्णयानुसार अन्तर्गत 25/11 उपर स्वीकृत हुआ रास्ते का अंकन करतौं गै. मु. रास्ता कर शपथपत्र रिकार्ड किया जावे।

मि.मि.जी



Handwritten signature

सहायक जज
जिला न्यायालय
जयपुर